

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार के सारे दावे हवा हवाई



जम्मू कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार द्वारा विगत वर्षों में बड़े-बड़े दावे किए गए हैं। 370 को समाप्ति के बाद केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में सामान्य हालात बताए जाने के दावे बार-बार किए गए हैं लेकिन कड़वी सच्चाई यह है, कि केंद्र सरकार जब-जब जो-जो दावे करती है वह सब हवा-हवाई साबित होते हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने एक बार फिर केंद्र सरकार के दावों की पील खेल दी है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया था। केंद्र सरकार ने नए जम्मू कश्मीर का सपना दिखाया था। केंद्र सरकार ने वादा किया था, धारा 370 खत्म होने के बाद जम्मू कश्मीर में निवेश की बाढ़ आ जाएगी। बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचों का विकास होगा। हसीन वादियों में देश और दुनिया के पर्यटक बड़ी मात्रा में जम्मू-कश्मीर आएंगे। जम्मू-कश्मीर भारत की मुख्य धारा में शामिल हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है, कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क राजमार्ग सुरंग तथा रेल सुविधा से जोड़ने के लिए सरकार ने काम किया है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को तीन भागों में विभाजित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। तीन पूर्व मुख्यमंत्री को लंबे समय तक जेल में बंद अथवा नजरबंद करके रखा गया। जम्मू कश्मीर में कई महीने तक स्कूल कॉलेज बंद रहे। बार-बार इंटरनेट बंद होता रहा। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर के हालातो में कोई बहुत ज्यादा सुधार देखने को नहीं मिला। धारा 370 हटाने के बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हुए, अलगाववादी सांठों ने भी चुनाव में भाग लिया। मतदाताओं ने भी चुनाव में खुलकर हिस्सा लिया। अगर अब्दुल्ला निर्वाचित जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके पास कोई अधिकार नहीं है। जब राज्य सरकार के पास कोई अधिकार ही नहीं है, ऐसी स्थिति में उन्हें किसी भी काम के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था और प्रशासन पूरी तरह से केंद्र सरकार के प्राधिकारी के रूप में उपराज्यपाल के पास है।

कल्याण की कामना करने के लिए अब गधे ही बचे हैं...

अखबारों में हट्य विदारक समाचार पढ़ा। बताए भला, कैसे दुर्दिन आए हैं। इस उर्वर भूमि में गंधों की कमी हो रही है। कैसे दिन दिखला रहे हो प्रभुजी ? अखबार चटकार लेकर बता रहे हैं कि, फला शहर में इतने गधे कम हुए। फला शहर में उससे ज्यादा कम हुए। सबसे कम गधे उस शहर में हैं। गंधों की कमी से इसानी समाज में चिंता व्या ला है। गर्दभ राज से मिलने पहुंचा। कभी गधे-गधियों से गुलनार रहने वाले उनके भवन में रमेशान का सा सनोटा था। यह जानकर कि मैं उनसे कुछ पूछने आया हूं,



वे बोले, ' क्याह पूछना चाहते हो ? कैसे अब पूछने-बताने लायक बचा क्याह है??' -' आपका कुटुंब तो सब जगह दिखाता था। तमाम उमाएँ आपसे ही बलवती होती थीं। विभिन्ने संज्ञाओं का आप मूर्त रूप थे। आप काम के निष्कादम पर्यायवाची हैं। आप मुश्किल में भी आनंद मनाते हैं , इसलिए वैशाखानंद कहलाते हैं। अब ऐसा क्या हुआ कि गंधों का खानदान संकट में पड़ दिखाई पड़ रहा है?' मैंने पूछा। वैशाखानंद बोले, ' क्या है कि हमारे मुक ' में आजकल मुखौंटों का चलन कुछ ज्यादा ही चल पड़ है। जो जैसा दिखता है वो असल में वैसा होता नहीं। गर्दभ बंधु भी बड़ी तादाद में मुखौंटों का इस्तोमाल करने लगे हैं। हमारे अनेक बंधु-भगिन्यां जिनियों का मुखौटा लगाकर जानी बन चुके हैं और तरह-तरह के ज्ञान बांट रहे हैं। कई ने राजनीति के विभिन्न मुखौंटों को स्थानई रूप से अपने शरीर में फिट कर लिया है। समीन और ईनाम पाने में हमारी साहित्यिक? मुखौटाकृतियों ने खालिस साहित्यिकों को फेल कर दिया है। हमारे बंधुओं ने मुखौटे के भीतर से प्रशासन और चिकित्सा के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। हमारा प्रचलन ऐसा बढ़ा है कि मुखौटे से निकलती चीपों-चीपों में भी अब पंथम-पंथम म सुर हूँ जाते हैं। किसी भी फील्ड के किसी ख्या तिलम्भ? व्यक्ति का मुँह नोच के देखें, हमारे ही बंधु-बांधवों का चेहरा ही हथ लगेगा।' -' असल सवाल तो गंधों की तादाद में कमी का है?' - ' अब इतने सारे लोग हमारे कुटुंब से दूसरे कुटुंबों में चले जाएंगे तो हमारी संख्याय ऑटोमेटिकली कम हो जाएगी।' छेड़कर एए बंधुओं को वापस लाने के लिए आप क्या' कर रहे हैं?' -' कुछ नहीं। जो चाह रहे, खुश रहो सबका कल्याण हो...'। कहकर गर्दराज ने आंखें बंद कर लीं। अपने मुखौटाधारी बंधुओं के कल्याण प को कामनाए करने के लिए अब खालिस गधे ही बचे हैं।

डॉ. प्रदीप मिश्र
9827063496

कहानी

छोटे से कस्बे शीकापुर में दो मित्र साथ-साथ स्कूल जाते थे-रघु और अमित। दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते, लेकिन स्वभाव एकदम विपरीत। रघु तेजतर्रार, उर्दड़ और मारपीट में आगे, जबकि अमित शांत स्वभाव का, पढ़ाई में अव्वल और शिक्षकप्रिय। रघु को अक्सर स्कूल से निकाले जाने की धमकी मिलती, जबकि अमित हर पुरस्कार समारोह में मंच पर होता।

रघु बहुत ही शरारती या यूँ कहें अभद्र और उर्दड़ स्वभाव का था। कक्षा में शिक्षक ने उसकी किसी शरारत पर उसे डांटा। लेकिन उर्दड़ रघु ने शिक्षक को अपशब्द कहे, पूरी कक्षा सहमी रही। शिक्षक बुरी तरह कोपित हो गये। उन्होंने प्रधानाचार्य को सारे मामले से अवगत कराया। रघु की उर्दड़ता देखिए कि उसने प्रधानाचार्य को भी अपशब्द कहे। दरअसल कस्बे के एक राजनीतिक नेता का रघु के परिवार को वरदहस्त प्राप्त था जिसके नाम पर न केवल रघु बरन उसका पूरा परिवार कस्बे में अपना दबदबा कायम रखता था।

स्कूल में हमेशा एक बात दोहराई जाती थी- रघु का तो कुछ नहीं होगा, और अमित अपनी मेंधावी प्रकृति के चलते यश प्राप्त कर देश का नाम रोशन करेंगा।

रघु की उर्दड़ता लगातार बढ़ती रही। जबकि अमित अपनी तीव्र बुद्धि के बल पर शिक्षा में उन्नति के आयाम प्रतिस्थापित करता रहा।

10वीं के बाद अमित शहर चला गया। रघु ने पढ़ाई छोड़ दी और किसी लोकल नेता के पीछे लग गया, जिसने उसमें जोश देखा, दिशा नहीं। रघु ने शराब की अवैध बिक्री शुरू कर दी।

एक दो बार वह जेल भी गया लेकिन नेता का प्रभाव कहे



या व्यवस्था की कमी वह हर बार साफ बच कर आता रहा। हां पुलिस ने कई बार उसे पीटा भी। इस बीच वह अपने नेता की पार्टी में पदाधिकारी भी बना दिया गया। अब तो रघु और भी आक्रामक हो गया।

आंदोलनों के नाम पर धरना प्रदर्शन में भाग लेना और तोड़फोड़ करना उसका नियम बन गया। स्थानीय जनता में वह दबंग नेता के रूप में चर्चित हो गया। शुरू में रघु ने कुछ चुनाव भी लड़े जिनमें उसे सफलता नहीं मिली।

उधर अमित ने प्रशासनिक सेवा की तैयारी शुरू की, संघर्ष किया, और आखिरकार वह आईएएस अफसर बना।

समय बीतता रहा। आईएएस अमित अब जिलाधिकारी के पद पर पहुँच चुका था। समय के साथ और अपने प्रशासनिक दायित्व को निभाते निभाते अमित रघु को बिल्कूल भुला चुका था।

एक दशक बीत गया। अब अमित जिस जिले का

जिलाधिकारी था वहाँ एक दिन उसके पास सूचना आती है प्रदेश के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री श्री रघु यादव

जिंदबाद के नारे। डीएम अमित प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन करते हुए मंत्री जी के आगमन की प्रतीक्षा में खड़े

10वीं के बाद अमित शहर चला गया। रघु ने पढ़ाई छोड़ दी और किसी लोकल नेता के पीछे लग गया, जिसने उसमें जोश देखा, दिशा नहीं। रघु ने शराब की अवैध बिक्री शुरू कर दी। एक दो बार वह जेल भी गया लेकिन नेता का प्रभाव कहे या व्यवस्था की कमी वह हर बार साफ बच कर आता रहा। हां पुलिस ने कई बार उसे पीटा भी। इस बीच वह अपने नेता की पार्टी में पदाधिकारी भी बना दिया गया। अब तो रघु और भी आक्रामक हो गया। आंदोलनों के नाम पर धरना प्रदर्शन में भाग लेना और तोड़फोड़ करना उसका नियम बन गया। स्थानीय जनता में वह दबंग नेता के रूप में चर्चित हो गया। शुरू में रघु ने कुछ चुनाव भी लड़े जिनमें उसे सफलता नहीं मिली।

जिले के तौर पर आ रहे हैं।

रघु नाम सुनकर अमित कुछ चौंका उसे अपने बचपन के शरारती और उर्दड़ मित्र गडगड़ाहट सुनायी देती है। रघु की याद आ गई। लेकिन उसने वह नहीं सोचा जो होने वाला था।

हेलीपैड पर मंत्री जी के स्वागत की तैयारियाँ होती हैं। पुलिस सुरक्षा के बीच कार्यक्रमों की भीड़, बैंड-बाजों की गूंज, मंत्री जी

अपने मातहतों को जरूरी दिशानिर्देश दे रहे थे। तभी आसमान में हेलीकॉप्टर की

गडगड़ाहट सुनायी देती है। हर कोई मंत्री जी को अपना चेहरा दिखाने की होड़ में लगातार है। अमित और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बमुश्किल उन्हें नियंत्रित करते हैं। हेलीकॉप्टर के लैंड करते



ही 24,246.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी रही, जिसमें डॉब जोस 1.07 फीसदी बढ़कर 39,606.57 पर, एस&डब्ल्यू 500 1.67 फीसदी ऊपर आकर 5,375.86 पर और नैस्डैक कंपोजिट 2.50 फीसदी बढ़कर

16,708.05 पर बंद हुआ। एस्पी 500 से जुड़े पयूचर्स में मामूली 0.08 फीसदी की तेजी आई। नैस्डैक 100 पयूचर्स स्थिर रहा, जबकि डॉब जोस पयूचर्स में 0.15 फीसदी की गिरावट रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रख रहा। जापान का निक्केई 225

0.89 फीसदी उछला, दक्षिण कोरिया का कोसपी 0.41 फीसदी गिरा तथा ऑस्ट्रेलिया का एस&डब्ल्यू/एसएसक्स 200 0.59 फीसदी बढ़ा। हांगकॉंग का हैा सेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी गिरा और मैनलैंड चीन का सीएसआई 300 मामूली रूप से 0.16 फीसदी नीचे आया। इससे पहले आज सुबह बाजार लाल निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में ऑटो, मेटल और रियल्टी सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह सेंसेक्स 221.03 अंक की गिरावट के साथ 79,895.46 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 75.55 अंक की गिरावट के साथ 24,253.40 पर था। निफ्टी बैंक 152.60 अंक की गिरावट के साथ 5,217.45 पर था।



रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ है 85.30 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी विदेशी मुद्रा बाजार में आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 85.67 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जम्मु- कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी डॉलर मुचकांक अपने हाल के निचले स्तर 97.92 से बढ़कर 99.94 पर पहुँच गया। इसका कारण अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने के संकेत हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.60 पर खुला और बाद में 85.67 पर आ गया। यह पिछले बंद भाव 85.45 रुपये के मुकाबले 22 पैसे की गिरावट है। बुधवार को रुपया 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.45 पर बंद हुआ था।

आरबीआई ने 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को बैंक में खाता खोलने दी परमिशन

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड आदि बैंकिंग सुविधाएँ भी मिलेगी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से बचत/स्वाधिन जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी। भारतीय रिजर्व बैंक ने नाबालिगों के जमा खाते खोलने और संचालन के संबंध में संशोधित निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने



अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाते खोलने और

संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को अपनी मां को

अभिभावक बनाकर ऐसे खाते खोलने की भी अनुमति दी जा सकती है। परिपत्र में कहा गया है- जिन नाबालिगों की आयु सीमा 10 वर्ष से कम नहीं है और बैंकों द्वारा उनकी जोखिम प्रबंधन नीति को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई राशि और शर्तों तक, उन्हें स्वतंत्र रूप से बचत/सावधि जमा खाते खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं, और ऐसी शर्तों को खाताधारक को विधिवत रूप से सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से या अभिभावक के माध्यम से संचालित हों, से अधिक निकासी की अनुमति नहीं दी जाए और ये हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहें।

अकेले में भेंट करने के लिए बुलाया था।

अमित चौक उठा था। क्या रघु उसे पहचान गया? उसे याद आ गई वह बात जब उसने स्कूल के दिनों में रघु से कहा था कि रघु भय्या, ऐसे तो तेरी जिंदगी बर्बाद हो जायेगी। पढ़ना लिखना बहुत जरूरी है। तभी आगे कोई नौकरी मिलेगी।

तब रघु हंस दिया था। वह बोला ये बेकार की बात है अमित पढ़ाई से कुछ नहीं होता। यहाँ की व्यवस्था ही ऐसी है। पढ़ लिखकर नौकरी मांगी जाती है। और मैं नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनूँगा।

अमित ने रघु की इस बात का उस समय जमकर विरोध किया था। रघु तुम बहुत बड़ी गलती कर रहे हो।

उस संवाद को याद करते हुए डीएम अमित मंत्री जी के कमरे में कब पहुँच गया कि उसे अभिवादन का भी ध्यान नहीं रहा।

रघु (हँसते हुए) क्या सोचा था, और क्या हो गया ना अमित? तू पढ़ता रहा मैं जनता में घुस गयाज् किस्मत देखे।

अमित मुस्कराकर-तू आज बड़ा आदमी बन गया, रघु। लेकिन मैं सोचता हूँ, हमारे शिक्षक जिनकी आँखों में तू डर लाता थाव् आज उन्हीं की आँखों में गर्व है। ये समय का खेल है, शाश्वद।

रघु-समय नहीं, चालाकी और अवसर। तू काबिल था मैं होशियार हो गया।

अमित अपने सरकारों बंगले की खिड़की से मंच की ओर देखता है – जहाँ सम्मान के पट्टों से लदा रघु कैमरे के फ्लैश में मुस्कराता है।

कहानी यही सवाल छोड़ जाती है क्या सफलता केवल योग्यता का परिणाम है? या कभी-कभी यह केवल दिशा और समय की चाल होती है? (विनोद भगत आगरस - विभूति फीचर)

हमारी पृथ्वी हमारी जिम्मेदारी, विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित



इन्दौर। साउथ राजमोहला स्थित बटुकेस्वरदत्त उद्यान में संस्था एक पहल द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर हमारी पृथ्वी हमारी जिम्मेदारी विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें संस्था अध्यक्ष बच्चराज भाटी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। जल, जमीन और हवा शुद्ध रहेगी तो हमारा जीवन भी सुखी होगा। सचिव बुढानुदीन शकरवला ने बताया कि पहला पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन के रूप में 22 अप्रैल 1970 को मनाया गया था। अब यह विश्व के सबसे बड़े धर्मानुरोध आंदोलन में से एक बन गया है। उपाध्यक्ष राजेंद्र असावा ने कहा कि गोवंश पर्यावरण को भी संतुलित करने में सहायक सिद्ध होता है और गाय पृथ्वी का आधार है। आयोजन में पोस्टर के माध्यम से पृथ्वी बचाने का संदेश दिया गया। गोष्ठी में कोषाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, हंसराज भाटी, ओपी यादव, दिलीप जोशी व संजय असावा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

निर्दोष नागरिकों पर हुए हमले की निंदा

इंदौर। पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए हमले की संस्था एक पहल ने कड़वी निंदा करते हुए संस्था सचिव बुढानुदीन शकरवला एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र असावा ने कहा कि पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों के इस कारकलापपूर्ण हमला घोर निंदनीय है। संस्था ने हमले में मारे गए सभी नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पीथमपुर में सरकारी राशन वितरण में मारी अनियमितता, नमक की थैली ?10 में बेचने पर रहवासियों का हंगामा



पीथमपुर। एक ओर जहां केंद्र सरकार 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर पीथमपुर क्षेत्र में सरकारी राशन वितरण प्रणाली में भारी लापरवाही और मनमानी देखने को मिल रही है। शहर के अलग-अलग वार्डों में संचालित शासकीय राशन दुकानों पर नियमों को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है। गरीबों को न समय पर राशन मिल रहा है, न ही तय मूल्य पर सामग्री दी जा रही है।

ग्राम सागीर के बाई क्रमांक 23 स्थित सरकारी राशन दुकान पर नाराज रहवासियों ने घेराव कर विरोध जताया। उनका कहना है कि पिछले तीन महीनों से राशन नहीं मिला है, और एक रुपए में मिलने वाली नमक की थैली १10 में दी जा रही है। यह स्थिति सिर्फ एक वार्ड की नहीं है, बल्कि पूरा पीथमपुर क्षेत्र सरकारी राशन दुकानों की मनमानी से जस्त है।

‘हर जगह अपने नियम, हर दुकान पर अलग कहानी’

रहवासियों का आरोप है कि हर दुकान पर संचालक अपने मनमाने नियम बनाकर राशन वितरण करता है। कहीं स्टॉक न होने का बहाना किया जाता है, तो कहीं वितरण की तारीख बदल दी जाती है। कुछ दुकानों पर सामग्री कम तोलकर दी जा रही है। प्रशासन के पास शिकायतों की भरमार है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मामले पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम गहल गुप्ता ने जांच के निर्देश देते की बात कही है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए कहा जाएगा और जरूर राशन दुकानों की पहचान कर उचित समाधान किया जाएगा। साथ ही नागरिकों से ई-केवाईसी कराने की अपील की गई है। लेकिन रहवासी केवल आशवासन नहीं, सत्य और ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक दोषियों पर कानूनी कार्रवाई नहीं होती और व्यवस्था को पारदर्शी नहीं बनाया जाता, तब तक गरीबों का शोषण ऐसे ही चलता रहेगा।

जनता की चेतावनी - अबकी बार चुप नहीं बैठेंगे

घेराव कर रहे ग्रामीणों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो वे छत्र आंदोलन करेंगे और जिला प्रशासन का घेराव करेंगे।

कार्टून कोना



आकाश विजयवर्गीय ने विधानसभा एक के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीगण संग की बैठक

पेयजल संकट के समाधान के लिए, बुलाई बैठक अगले साल तक जलसंकट मुक्त होगा विधानसभा एक आकाश विजयवर्गीय

इंदौर। इंदौर शहर में इन दिनों भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। सूरज की तेजी और लू के थपेड़ों के साथ जलसंकट की भी खबरें आ रही हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 में जलसंकट से निपटने की पहल नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में एवं पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में की गई। इसके तहत गुरुवार 24 तारीख को आकाश विजयवर्गीय ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के पार्षदराण, पार्षद प्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं नगर निगम के जलप्रदाय से संबंधित समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों की बैठक बुलवाई।

जलसंकट पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 में भीषण गर्मी के चलते गहलते जलसंकट पर विस्तृत चर्चा



क्षेत्रों में पार्षद लाहन डली हुई है, लेकिन इसके बावजूद पानी घरों में नहीं पहुंच रहा है।

अगली गर्मी तक जलसंकट मुक्त होगा क्षेत्र

मीडिया से चर्चा करते हुए

और हमारा प्रयास है कि अगले साल गर्मी तक हमारा क्षेत्र जलसंकट से मुक्त हो जाए।

जल संरक्षण कर आने वाली पीढ़ी को दे सौगात

इस अवसर पर रुप वॉटर हार्बोस्टिंग को लेकर गंभीर चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए सौगात होगी। नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में जलपराय वाली जगहों को पहचान करे और हमें आने वाले सात दिनों के अंदर सूचित करें, क्योंकि आने वाले दिनों में रिचार्ज शॉफ्ट की प्रक्रिया शुरू करने वाले हैं। अपने-

अपने क्षेत्रों के कूर-बावड़ियों की जानकारी साझा करें, जिससे हमारी जल संरचनाओं, हमारी धरोहरों का बेहतर रखरखाव और व्यवस्था हो सके। यदि हम बेहतर जल प्रबंधन करते हैं तो यह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रकृति का अनमोल उपहार होगा। आकाश विजयवर्गीय ने जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने की बात कही। गौरतलब है आकाश विजयवर्गीय ने क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली थी और क्षेत्र में बढ़ती जनसंख्या के हिसाब से भविष्य की योजना बनाने की बात कही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बैठक बुलाने के लिए आकाश विजयवर्गीय का आभार व्यक्त किया।

20वीं यूसीमास स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन का आयोजन 25 अप्रैल को

इन्दौर। यूसीमास मध्यप्रदेश की 20वीं स्टेट लेवल अबेकस एंड मेंटल अर्थिमेंटिक कॉम्पिटिशन का आयोजन दिनांक 25 अप्रैल को रैस कोर्स, इन्दौर स्थित ब्यास्केटबॉल कॉम्पलेक्स में होगा। वर्ष दर वर्ष इस विद्युत प्रतियोगिता में बच्चों की संख्या बढ़ती ही जा रही है जिसका एकमात्र कारण है यूसीमास कोर्स जिसे करने के पश्चात विद्यार्थी के मन से गणित का भय तो खत्म होता ही है, वरन् दूसरे विषयों में भी एकप्रता एवं रुचि बढ़ती है, जिससे वह अखल स्थान प्राप्त कर सकता है।

यूसीमास मध्य प्रदेश के डायरेक्टर श्री नीरज गोयल ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष

प्रतिभागी, 14 से 15 हजार तक परेंट्स, 50 से अधिक टीचर्स और 200 वॉलेंटियर्स साक्षी बनेंगे। प्रतियोगिता के साथ-साथ ही विद्यार्थियों द्वारा हल की गयी शीट्स की चैकिंग की जाएगी एवं इसके पश्चात रिजल्ट भी रात 11 बजे घोषित कर दिया गया। बच्चों के अभिभावकों को यूसीमास वेबसाइट के द्वारा रिजल्ट घोषित किया जाएगा। 27 अप्रैल को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन रवीन्द्र नाट्य गृह, इंदौर में होगा जिसमें प्रत्येक लेवल में एक चैंपियन और 5 फास्ट रनर-अप्स तथा 3 मोस्टयूल चैंपियन, और चैंपियन ऑफ चैंपियन को पुरस्कृत किया जायेगा।

पीथमपुर में गर्मी से निपटने को जल संरक्षण की पहल, 50 से अधिक जलस्रोतों का हुआ चयन

पीथमपुर। बढ़ती गर्मी और जल संकट की आशंकाओं के बीच पीथमपुर नगर पालिका ने जल गंगा सर्वेधन अभियान के तहत जल स्रोतों के पास रिचार्ज पिट्स बनाने की व्यापक मुहिम शुरू कर दी है। इस अभियान का उद्देश्य भूजल स्तर को सुधारना और वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकना है।

नगर पालिका की मुख्य अधिकारी निशिका शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 50 से अधिक जलस्रोतों का चयन किया गया है। इन स्थानों पर विशेष वाटर रिचार्ज सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं, जो बारिश के पानी को फिल्टर कर सौंधे जमीन में पहुंचाएंगे। इससे क्षेत्र के भूजल स्तर में बेहदरी होगी और जल संकट की स्थिति से राहत मिलेगी।

सभी हैंडपंपों और नलकूपों के पास बन रहे विशेष रिचार्ज सिस्टम

जल कार्य प्रभारी इंजीनियर नितिन वर्मा ने बताया कि नगर के सभी हैंडपंपों और नलकूपों के पास 5 से 7 फीट गहरे गड्ढे खोदकर उसमें ईंट के टुकड़े, मिट्टी और रेत भरकर रिचार्ज पिट्स तैयार किए जा रहे हैं। इन गड्ढों के माध्यम से बारिश का पानी सौंधे भरती की सहज में समाहित होगा। मुख्य अधिकारी शुक्ला ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों, खेतों और उद्यान परिसरों में भी इस तरह के वाटर रिचार्ज सिस्टम बनावाएं। यह सामूहिक प्रयास न केवल जल स्तर को बढ़ाएगा, बल्कि भविष्य की पढ़ाईयों के लिए जल संरक्षण का मजबूत आधार भी बनेगा।

जल संकट से लड़ने की तैयारी

गर्मियों में हर खाल पीथमपुर क्षेत्र को जल संकट का सामना करना



इंदौर। वक्रफ सुधार जनजागरण अभियान को लेकर आज भाजपा कार्यलय पर भाजपा जिला इंदौर की कार्यशाला विधायक जी विद्यार्थियों द्वारा हल की गयी शीट्स की चैकिंग की जाएगी एवं इसके पश्चात रिजल्ट भी रात 11 बजे घोषित कर दिया गया। बच्चों के अभिभावकों को यूसीमास वेबसाइट के द्वारा रिजल्ट घोषित किया जाएगा। 27 अप्रैल को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन रवीन्द्र नाट्य गृह, इंदौर में होगा जिसमें प्रत्येक लेवल में एक चैंपियन और 5 फास्ट रनर-अप्स तथा 3 मोस्टयूल चैंपियन, और चैंपियन ऑफ चैंपियन को पुरस्कृत किया जायेगा।

हम सब इस कार्य को ईमानदारी से पूरा करेंगे तो मानकर चलें कि हमने राष्ट्रीयता के लिए राष्ट्र के हित के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों यांग गांव जाए और बिल पर चर्चा करें, उनकी जो श्रुतियां हैं उन्हें दूर करने का प्रयास करें। उन्होंने बताया कि यह बिल आपकी भलाई के लिए है। अल्पसंख्यक समाज में अधिकतर भाई-बहन अशिक्षित हैं, ना समझी के कारण बिल का विरोध कर रहे हैं, इसलिए कार्यक्रमों अल्पसंख्यक बस्तियों, वृद्धों या जाकर उनसे बात करके उनकी श्रुतियों को दूर करें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी

सत्ता में आए, रामसंख्यक गहलते ने भी संबंधित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता कश्यप भाई टेलर, कैलाश चौधरी, प्रेमसिंह दाबली, गैना सतीश मालवीय, जिला उपाध्यक्ष रामरूप गहलते, मुकेश चौहान, विष्णुप्रसाद शुक्ला, संतोष पाटीदार, सुभाष पाटीदार, माधवन गोखले, अतुलगा जोशी, हेमचंद्र मित्तल, वरुण पाल, मुकेश जरीया, राजेश शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण सूर्यवंशी, मुकेश पटेल, जय कोहली सहित मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों में खतरनाक स्थिति में पहुंची ‘शुगर’

स्कूलों में गठित होंगे बोर्ड, राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग ने की सिफारिश

इंदौर। भारत में मधुमेह (शुगर) की बीमारी खतरनाक स्थिति में पहुंच गई है। अभी तक यह बीमारी बड़ों में देखने को मिलती थी, लेकिन अब स्कूली बच्चों को भी मधुमेह अपना शिकार बना रही है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सिफारिश पर लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में शुगर बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए हैं। बोर्ड का उद्देश्य बच्चों को चीनी के सेवन से होने वाले खतरों से अवगत कराना।

लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक रवीन्द्र कुमार सिंह ने बाल संरक्षण आयोग की सिफारिश के आधार पर निर्देश पत्र में कहा है कि पिछले एक दशक में बच्चों में टाइप-2 मधुमेह के मामलों में भयंकर बढ़ेदरी हुई है। इसके लिए अधिक मात्रा में चीनी का सेवन जिम्मेदार है। जो स्कूल और आसपास दुकानों पर उपलब्ध मीठे स्नेक्स, पेच पदार्थ और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के उपयोग से होता है। पत्र में चेतावनी है कि चीनी के ज्यादा सेवन ने सिर्फ मधुमेह ही नहीं होता

है, बल्कि मोटापा, दांतों, पाचन से संबंधित समस्या भी होती है। स्कूल एवं आसपास जंक फूड होंगे प्रतिबंधित-स्कूलों में शुगर बोर्ड गठित होने के बाद बोर्ड की यह जिम्मेदारी रहेगी कि स्कूलों की कैंटीन में अत्यधिक चीनी वाले खाद्य एवं पदार्थ, जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक्स आदि प्रतिबंधित होंगे। साथ ही छात्रों के स्कूल भोज में भी ये प्रतिबंधित श्रेणी में रहेंगे। इसके लिए स्कूलों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें परिवजनों की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

आईएएस, आईपीएस, आईएफएस को मिलेगा 55 प्रतिशत भत्ता मग्न के साढ़े सात लाख कर्मचारी, अधिकारी फिर 5 प्रतिशत कम महंगाई भत्ता पाएंगे

भोपाल (ई।) एमपी में पदस्थ आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और राज्य में प्रतिनियुक्त पर सेवा देने वाले कर्मचारियों को अब 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। इसके बाद एमपी के कर्मचारी और अधिकारी एक बार फिर महंगाई भत्ते में केंद्र सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों से 5 प्रतिशत पीछे हो गए हैं। पिछले माह यह अंतर तीन प्रतिशत था जो इस माह केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए 2 प्रतिशत भत्ते के चलते बढ़कर पांच प्रतिशत हो गया है। एमपी के कर्मचारियों और अधिकारियों को पहले ही जुलाई 2024 से तीन प्रतिशत कम भत्ता मिल रहा था और अब केंद्र के कर्मचारियों को जनवरी 2025 से मिलने वाले 2 प्रतिशत भत्ते के कारण वे और पीछे रह गए हैं। राज्य शासन के वित्त विभाग द्वारा पिछले सप्ताह जारी आदेश में सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, राजस्व मंडल ग्यालियर, सभी संगमायुक्त और कलेक्टरों को दिए निर्देश यानि है कि अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों और कर्मचारियों को एक

जनवरी 2025 से पुनरीक्षित दर पर महंगाई भत्ता दिया जाएगा। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा 2 अप्रैल 2025 को जारी आदेश में एक जनवरी 2025 से महंगाई भत्ता मंजूर किया गया है। इसके बाद केंद्र के कर्मचारियों और अधिकारियों को अब एक जनवरी 2025 से मूल वेतन के 53 प्रतिशत के बजाय दो प्रतिशत अधिक यानि 55 प्रतिशत प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाएगा। इसी के आधार पर राज्य

सरकार के वित्त विभाग ने भी 17 अप्रैल को केंद्र के कर्मचारियों और अधिकारियों को एक जनवरी 2025 से 53 की बजाय 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने का आदेश जारी किया है। राज्य सरकार यह भुगतान नकद करेगी। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ष कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी का कहना है कि पिछले 53 प्रतिशत ही महंगाई भत्ता मिल रहा था जिसे मार्च 2025 में राज्य सरकार ने चार प्रतिशत बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया था।

के कर्मचारी 5 प्रतिशत पीछे हैं। राज्य सरकार के कर्मचारियों को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता 1 जुलाई 2024 से कम मिल रहा था और अब केंद्र द्वारा एक जनवरी 2025 से यह राशि दो प्रतिशत बढ़ा दी, तो राज्य का कर्मचारी अधिकारी पांच प्रतिशत महंगाई भत्ता कम पा रहा है। पिछले एमपी के कर्मचारियों को 46 प्रतिशत ही महंगाई भत्ता मिल रहा था जिसे मार्च 2025 में राज्य सरकार ने चार प्रतिशत बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया था।

निजी विद्यालयों से सभी मापदण्डों का पालन कराएं- कलेक्टर

शिक्षा विभाग के कार्यों की कलेक्टर ने समीक्षा की

शाजापुर। जिले में संचालित सभी निजी विद्यालयों से शासन द्वारा निर्धारित सभी मापदण्डों का पालन कराएं। मापदण्डों का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोई भी निजी विद्यालय शासन की नीति के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक शुल्क में वृद्धि नहीं करें। कलेक्टर ने मोहन बड़ोदिया के बीआरसी का प्रभार शाजापुर बीआरसी को अतिरिक्त रूप से सौंपने एवं बिना अनुमति के बीआरसी का प्रभार बीएससी को देने पर कलेक्टर ने खोपसी को कारण बताओ सूचना पत्र देने के भी निर्देश दिए। बैठक में सीएम राहुन विद्यालयों के निर्माण

की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यालयों के आसपास की शासकीय भूमि को छात्रावास एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए सुरक्षित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम राहुन विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए सीएम राहुन विद्यालय के 03 से 05 किलोमीटर परिधि के शासकीय विद्यालयों के बच्चों को प्रवेश देने की कार्यवाही करने के लिए कहा। बैठक में कलेक्टर ने अपार आईडी क्रियेशन में आने वाली समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। स्वीकृत एवं प्राप्ति निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी



विद्यालयों में रूप वाटर हार्वैस्टिंग सिस्टम लगाने, स्मार्ट क्लास के लिए प्राप्त हुए इंटरैक्टिव पैनल को संबंधित विद्यालयों एवं छात्रावासों में देने के निर्देश दिए और इनका समुचित उपयोग भी करने के लिए कलेक्टर ने कहा। कलेक्टर ने विद्यालयों में अतिरिक्त भवन एवं अन्य संसाधनों की आवश्यकता के संबंध में प्रस्ताव देने के लिए कहा। विद्युत एवं पेयजल की व्यवस्था के लिए 106 विद्यालयों को प्रत्यक्ष राशि के उपयोग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में लड़कियों के लिए टायलेट निर्माण एवं नियमित सफाई की व्यवस्था

करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एफएलएन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी शिक्षकों से शिक्षक संदर्शिका के अनुसार अध्यापन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अंग्रेजी विषय के सभी शिक्षकों को सिखाने की कला में परिवर्तन लाने के लिए कहा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा गंगौर, जिला? शिक्षा अधिकारी डॉ. विवेक दुबे, डीपीसी श्री अनुराग पाण्डेय, सहकक्ष संचालक शिक्षा सर्व श्री राजेंद्र शिंदे व श्री एम्वेन्द सिंह सस्त्र्या सहित खण्ड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी एवं अन्य शासकीय सेवक उपस्थित थे।

जल गंगा जल संवर्धन अंतर्गत जिला स्तरीय आयोजन में प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर विद्यार्थियों ने दिया जल संरक्षण का संदेश

शाजापुर। जन सामान्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में जल गंगा जल संवर्धन अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न की गईं।



वर्षों गत दिनों शाला स्तर से चर्चनित विद्यार्थियों के विकासखंड स्तरीय विभिन्न ने आज गुरुवार को शाजापुर बस समन्वयन में संपन्न हुई। कार्यक्रम की सर पर प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में चर्चनित 38 विद्यार्थियों स्टेड स्थित जिला स्तरीय सदस्य रूपरेखा एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों

वर्ल्डलभ भाई पटेल सांघेपनि उमावि शाजापुर में मेहदी, रंगोली, भाषण, निबंध, कविता, चित्रकला प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। गुरुवार को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.विवेक दुबे की अध्यक्षता में जिला नोडल अधिकारी श्री दीपक शर्मा के समन्वयन में संपन्न हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों

स्वागत प्राचार्य श्रीमती सविता सोनी ने किया। निबंध प्रतियोगिता में खुशी चंद्रवंशी, सोमन सौराष्ट्रीय, चित्रकला में पवन जाटव, जाकिर्या, रंगोली में दीपिका रजक, स्वाति मालवीय, कविता शिवराजसिंह,रणवीरसिंह,मेहदी में शिवानी मेवाड़ा,च्योति प्रजापति,भाषण प्रतियोगिता में शिवानी सौंधिया,पुति सिसोदिया जिला स्तर पर चर्चनित हुये। आयोजन में निर्णायकण सहित 75 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल हुये। आभार प्रदर्शन जनशिक्षक लोकेश राठौर ने किया।

विश्व कीर्तिमान से सम्मानित हुए प्रबोध मिश्र हितैषी



बड़वानी। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड से सम्मानित संस्था इंदौर साहित्य सागर संस्था के वरिष्ठ साहित्यकार प्रबोध मिश्र हितैषी को लगातार 9 वर्षों से बसंत पंचमी पर आयोजित होने वाली सरस्वती पालकी यात्रा में प्रतिभांगिता के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड का प्रमाण-पत्र देकर संस्था के अध्यक्ष रमेश शर्मा स्वतंत्र द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही श्री हितैषी के साहित्य कर्म की श्रीवृद्धि की कामना की। इस निमित्त अभासा परिषद बड़वानी के अध्यक्ष राजीव वर्मा, विवेक श्रीवास्त, रमेश सराफ और सुनीता शुक्ला ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुआ जागरूकता कार्यक्रम



बड़वानी। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार, एसपी जगदीश डावर के निर्देशन एवं महिला सेल डीएसपी महेश सुनैया के मार्गदर्शन में साइबर जागरूकता, महिला सुरक्षा, सृजन अभियान, यातायात जागरूकता का संयुक्त कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें साइबर एक्सपर्ट रितेश खत्री ने बताया कि अपनी निजी जानकारी कभी भी किसी से शेयर न करें। साथ ही डिजिटल अस्पष्ट क्या होता है, इससे किस प्रकार बचा जाता है। इस विषय पर भी विस्तार से जानकारी दी। एपीके फर्देल से होने वाले अपराध के सम्बंध में छात्रों को जागरूक किया। किसी भी लालच में आकर कभी भी किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। वहीं कार्यक्रम के दौरान महिला सेल डीएसपी महेश सुनैया ने बालिकाओं को कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम में प्राचार्य निलेश पाटीदार, एसआई रेखा यादव, काउंसलर अनिता चोपल, शिक्षक, छात्र और छात्राएं उपस्थित थे।

बड़वानी। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार, एसपी जगदीश डावर के निर्देशन एवं महिला सेल डीएसपी महेश सुनैया के मार्गदर्शन में साइबर जागरूकता, महिला सुरक्षा, सृजन अभियान, यातायात जागरूकता का संयुक्त कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें साइबर एक्सपर्ट रितेश खत्री ने बताया कि अपनी निजी जानकारी कभी भी किसी से शेयर न करें। साथ ही डिजिटल अस्पष्ट क्या होता है, इससे किस प्रकार बचा जाता है। इस विषय पर भी विस्तार से जानकारी दी। एपीके फर्देल से होने वाले अपराध के सम्बंध में छात्रों को जागरूक किया। किसी भी लालच में आकर कभी भी किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। वहीं कार्यक्रम के दौरान महिला सेल डीएसपी महेश सुनैया ने बालिकाओं को कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम में प्राचार्य निलेश पाटीदार, एसआई रेखा यादव, काउंसलर अनिता चोपल, शिक्षक, छात्र और छात्राएं उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री कुशवाह 25 अप्रैल को शाजापुर के भ्रमण पर रहेंगे

शाजापुर। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री तथा जिला प्रभारी श्री नारायण सिंह कुशवाह 25 अप्रैल 2025 को शाजापुर जिले के भ्रमण पर रहेंगे। दौरा कार्यक्रम अनुसार प्रभारी मंत्री श्री कुशवाह 25 अप्रैल 2025 को प्रातः 8.30 बजे भोपाल से प्रस्थान कर प्रातः 11.00 बजे शाजापुर जिले की जनपद पंचायत मो.बड़ोदिया के ग्राम कुम्हारियाखास स्थित मनकामनेश्वर मंदिर प्रांगण में हो रहे विशाल आदर्श भिलाखा समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। इसके उपरान्त वे

दोपहर 12.00 बजे तहसील मोहन बड़ोदिया अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अंतर्गत चल रहे कार्यों का अवलोकन करेंगे। दोपहर 01.15 बजे सकिंट हाउस शाजापुर आएंगे। दोपहर 3.00 बजे कलेक्टर के सभागृह शाजापुर में जल गंगा संवर्धन अभियान एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में समीक्षा करेंगे। शाम 07.30 बजे ग्राम बमोरी शाजापुर ग्रामीण में भारत रत्न डॉ० भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत गोष्ठी एवं चर्चा करेंगे। इसके पश्चात मंत्री श्री कुशवाह रात्रि 08.30 बजे शाजापुर से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित

शाजापुर। जिला पुलिस अधीक्षक श्री यशपालसिंह राजपूत ने थाना बेरछा में अपराध क्रमांक 89/2025 में पंजीबद्ध फरार आरोपी दाउद उर्फ इब्राहिम पिता इस्माईल खां निवासी ग्राम चोसला की गिरफ्तारी के लिए 2 हजार रुपये के नाद ईनाम की घोषणा की है। इसे प्रकार थाना बेरछा में अपराध क्रमांक 90/2025 में पंजीबद्ध अपहृत एवं अज्ञात आरोपी की पतासी के लिए 5 हजार रुपये का नाद ईनाम घोषित किया है। सूचना देने वाले को नाम चाहने पर सर्वथा गोपनीय रखा जायेगा।

डाबर ग्लूकोज ने लॉन्च किया एनर्जोइज इंडिया कैंपेन

इंदौर - डाबर की ओर से इंस्टेंट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लूकोज ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरूक बनाने के लिए एक कैंपेन 'एनर्जोइज इंडिया' का लॉन्च किया है। इस कैंपेन के तहत डाबर ग्लूकोज ने इंदौर की सेंट्रल जमिनाखा वलस में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेंट पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रियंका कोशल, वरिष्ठ क्रिकेटर जाने-माने ड्रिक्टर और मुख्य कोच अकादमी अभिषेक पंडोरी, चेतन मंडोवरा, कोच, अकिंत कश्यप, कोच भी मौजूद रहे। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख श्री व्यास आनंद ने कहा - हमें खुशी है कि युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरूक बनाने के लिए हम 'एनर्जोइज इंडिया' कैंपेन लेकर आए हैं। इस अवसर पर प्रियंका कोशल, वरिष्ठ क्रिकेटर एनर्जी सेशन के दौरान युवा एथलीट्स को बताया गया कि खेल में अक्षर परफॉर्मेंस देने के लिए पोषण और हाइड्रेशन बहुत जरूरी है।

यूपीएससी में 592वीं रैंक प्राप्त

बड़वानी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 23 अप्रैल को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा 2024 में 592वीं रैंक प्राप्त करने वाले अमर बघेल को पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

अमर बघेल जिला धार के ग्राम सिदड़ी के निवासी हैं, उन्होंने कड़े परिश्रम, निरंतर प्रयास एवं अदृढ़ आत्मविश्वास के साथ यह उपलब्धि हासिल की है। उनके पिता रूमालसिंह बघेल सिंचाई विभाग में वलर्क के पद पर



पदस्थ हैं। जबकि माता एक साधारण गृहिणी हैं। अमर ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई बड़वानी से व स्नातक शिक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी

संस्थान कानपुर से पूर्ण की और वर्तमान में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। परीक्षा में श्री बघेल का

पांचवां प्रयास था, जिसमें उन्होंने अथक परिश्रम और धैर्य के साथ सफलता प्राप्त की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें शाल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक श्री डाबर ने कहा कि अमर बघेल की यह सफलता न केवल उनके परिवार और गांव के लिए, बल्कि सम्पूर्ण जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह दर्शाता है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को दे रहे प्रशिक्षण



बड़वानी। शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू किया जाना है। जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर गुंजा सनोबर के निर्देशानुसार जिला स्तर पर स्थित कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्टर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। ई-गवर्नेंस के ई दक्ष केंद्र प्रशिक्षक अश्वय सोनी ने अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफॉर्म के कार्यों तथा उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

ईनामी आरोपी बैंक मैनेजर आरके झा को उज्जैन से किया गिरफ्तार

बड़वानी। थाना संधवा शहर पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए फर्जी बैंक खाता खोलकर धोखाधड़ी करने वाले एवं 2000 के ईनामी आरोपी तत्कालीन बैंक मैनेजर आरके झा को उज्जैन से गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर पुलिस रिमांड लिया गया है, ताकि प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं गहन पुछताछ की जा सके। प्रारंभ में कोतवाली जिला

फर्जी बैंक खाता खोलकर धोखाधड़ी करने का मामला

खरगोन में विदेश में निवासरत एक महिला परिचायिका द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसमें बताया कि यूको बैंक से संधवा में उसके नाम से फर्जी खाता खोलकर धोखाधड़ी से रुपए निकाले गए। जांच में यह तथ्य सामने आया कि अनंत तायाल, उसकी पत्नी नमिता तायाल, उनके मुनीम रेहमान अली एवं तत्कालीन बैंक मैनेजर आरके झा की मिलीभगत



से उक्त फर्जी खाता खोला गया था और अवैध रूप से रकम निकाली गई। थाना संधवा शहर में अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर के निर्देशन एवं एसडीओपी संधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक बलजीत सिंह बिसेन द्वारा एक विशेष टीम गठित की गई। जिसने तकनीकी एवं मैनुअल

स्रोतों से जानकारी संकलित कर आरोपी आरके झा को उज्जैन से गिरफ्तार किया। अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुछताछ की जा रही है। साथ ही उनकी चल-अचल संपत्तियों की जानकारी एकत्रित कर कुकी की कार्रवाई न्यायालय में प्रचलन में है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी या सूचना देने वाले को 2000 रुपए के ईनाम की घोषणा की गई है। वहीं सूचना देने वाले का नाम सर्वथा गोपनीय रखा जाएगा।

जैन सोश्यल ग्रुप रतलाम एलीट का द्वितीय पद ग्रहण समारोह 25 अप्रैल को, मध्य प्रदेश शासन उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा रहेंगे उपस्थित

रतलाम। जैन सोश्यल ग्रुप रतलाम एलीट का द्वितीय शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 25 अप्रैल शुक्रवार को आयोजित होने जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन उपमुख्य मंत्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य, पूर्व गृहमंत्री हिममत कोठारी के विशेष आतिथ्य एवं मध्य प्रदेश रोजन के वरिष्ठ छ्त्रबृहस्पन प्रेसिडेंट इलेक्ट मनीष कोठारी एवं जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ ही आदि के आतिथ्य में बरबड़ रोड स्थित अमृत गाईन पर आयोजन संपन्न होगा। ग्रुप के संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ डंगी ने बताया कि जैन सोश्यल ग्रुप रतलाम एलीट विगत दो वर्षों से अपने ऊर्जावान युवाओं के इस संगठन से तत्नपुरी एवं मध्यप्रदेश रोजन में अपने सेवा कार्यों के माध्यम से सभी के दिलों पर छाया हुआ है और इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए 2025-2027 के अध्यक्ष पद पर पुनी कोठरिया, सचिवद्वय पद पर प्रखल सेठ एवं पुनीत गादिवा के साथ ही उपाध्यक्ष पद पर अनिल जैन एवं प्रतीक गांधी, कोषाध्यक्ष पद पर मोहित चौपड़ा एवं गौरव दव, प्रचार सचिव पद पर समग्र जैन, संगठन सचिव पद पर ध्रुव चौपड़ा, पी.आर.ओ पर हर्षवर्धन मृगत एवं मोहित खिमेसरा के साथ 17 सदस्य कार्यकारी का गठन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जगदीश देवड़ा (उपमुख्यमंत्री, म.प्र शासन), विशेष अतिथि के रूप में हिममत कोठारी (पूर्व प्रध्मंत्री , म.प्र शासन) एवं शपथ अधिकारी के रूप में म.प्र रोजन राहुल चपड़दे एवं युवा समाजसेवी भरत चौधडिया, म.प्र रोजन पदाधिकारी हेमंत जैन,जयंतिलाल फौजरिया, दीपेंद्र कोठारी, प्रोतेश गादिवा, अश्विन मेहता, ललित कोटिड़, अमित कोठरी , जयंतिलाल डंगी के साथ समाज के कई गणमान्य उपस्थित होंग। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ डंगी, पूर्व सचिव अर्पित जैन, मोहित खुसिमरा एवं पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयाश सक्सेना, पिंयारा जैन, पूर्व कोषाध्यक्ष पुनीत गादिवा, सौरभ मेहता, पूर्व संगठन सचिव मोहित चौपड़ा पूर्व पी.आर.ओ समग्र जैन, हर्षवर्धन मृगत आदि ने शपथ ग्रहण के इस आयोजन पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दीवार लेखन व जल सरोवर की सफाई



रतलाम। मप्र जनअभियान परिषद विकासखण्ड जावरा के अंतर्गत एएमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू की छात्राओं ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सारहवीय कार्य किया। छात्राओं ने स्थानीय जल स्रोत (ताला सरोवर) की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और आम जनमानस में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का महत्व बताया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को जल स्रोतों की स्वच्छता व संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

जिले के सभी अनुभाग के थानों में किया गया गुंडा परेड का आयोजन

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को थाने के गुंडा रजिस्टर में अंकित व्यक्तियों की गुंडा परेड करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारामय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में 22 से 24 अप्रैल तक जिले के सभी अनुभाग के थानो पर गुंडा रजिस्टर में दर्ज गुंडों को थाने पर बुलाकर गुंडा परेड कराई गई। गुंडा परेड के दौरान अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा थाने के गुंडा रजिस्टर में दर्ज गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, किसी भी अवेधानिक विधिविधियों का हिस्सा नहीं बनने की समझाइश देकर स्वकृत किया। तीन दिनों में जिले के रतलाम शहर अनुभाग के चारो थानो पर नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र धनोपाय के मार्गदर्शन में कुल 39 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की परेड करावाई गई। रतलाम प्रमाण अनुभाग में एसडीओपी किशोर पटनवाला के मार्गदर्शन में कुल 30 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की परेड करावाई गई तथा डेजियर फॉर्म भराए। जावरा शहर अनुभाग के थानो पर सीएसपी श्री दुर्गा आर्मी के मार्गदर्शन में कुल 91 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की परेड कराई। जावरा प्रमाण अनुभाग के सभी थानों पर एसडीओपी जावरा संदीप मालवीय के मार्गदर्शन में कुल 35 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की परेड करावाई गई। आलोट अनुभाग के सभी थानो पर एसडीओपी आलोट सुशी शाबेर आलोट के मार्गदर्शन में कुल 36 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की परेड करावाई तथा सैलाना भाग के सभी थानों पर एसडीओपी सैलाना सुश्री नीलम बेबल के मार्गदर्शन में कुल 57 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की परेड करावाई गई। तीन दिवस में जिले के सभी 6 अनुभाग के थानो पर कुल 273 गुंडे, हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की गुंडा परेड करावाई गई। आगामी दिनों में शेष बचे अन्य गुंडे को भी गुंडा परेड कराई जाएगी।

जेआरआई रेल्वे क्रिकेट एकेडमी के वैदित्य सिंह देवड़ा राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे रतलाम का नाम रोशन

रतलाम। वैदित्य का चयन यू-14 मध्य प्रदेश क्रिकेट की टीम के लिए हुआ है, वे 20 अप्रैल से 5 मई तक देहरादून में होने वाली मस्टेल जून राउ सिंह ड्रॉएर टूर्नामेंट मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वैदित्य तेज गेंदबाजों के साथ साथ अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। वैदित्य के चयन से ये जाहिर है की राकेश ठाकुर (रणजी ट्रॉफी), शोष खान (अंतर्राष्ट्रीय, टी/20 वर्ल्ड कप), एवं आशुतोष शर्मा के बाद जेआरआई ये सिक्किमला लगावरा जारी रहेगा। वैदित्य इसका श्रेय अपने कोच लोकपाल सिंह सिंसोदिया एवं माता पिता के सपोर्ट तथा रेल्वे द्वारा उल्लेख्य सुविधाओं के साथ अपनी लगातार दैहगत को देते हैं। वैदित्य के पिता रणजीत सिंह कपड़ा व्यवसायी हैं, तथा न्यू प्लोबस सिटी में निवासरत है। उनके चयन पर रतलाम जिला क्रिकेट संघ के कीर्ति शरण सिंह कालुदेवड़ा, निमेष व्यास, प्रदीप उपाध्याय, जित्त चक्रा, गौरव अजमेरा, भगत सिंह पटौरिया अनुज शर्मा, कीर्ति जासवन्तान, शैलेन्द्र सिंह अठना, दिनेश शर्मा, रविन्द्र प्रताप सिंह एवं जेआरआई के समस्त सदस्यों आदि ने हर्ष व्यक्त कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भव्य शोभायात्रा के साथ आज से

सातदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा प्रारम्भ श्री बद्दीनारायण सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित

रतलाम।

श्री बद्दीनारायण सेवा ट्रस्ट रतलाम द्वारा पं. श्री रामचन्द्र जी डोंगरे महाराज की प्रतिमा अनावरण एवं पूज्य गुरुदेव श्री उत्तम स्वामीजी महाराज के मुखारविन्द से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन दिनांक 24 अप्रैल से 30 अप्रैल त्रिवेणी तट स्थल पर किया जा रहा है।

जिसके अन्तर्गत आज 24 अप्रैल को एक भव्य शोभायात्रा श्री गोपाल जी का बड़ा मंदिर माणक चौक से निकाली गई जो कि विभिन्न स्थानों से होती हुई त्रिवेणी स्थित कथा स्थल पर पहुंची। शोभायात्रा के प्रारम्भ में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी उसके बाद विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के सदस्यगण सुमधुर भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे।

थे। इसके पश्चात रथ में कथा के यजमान श्रीमती हीरादेवी ओमप्रकाश जी सोनो पोथी के साथ चल रहे थे। बाद में वगमियों में देवस्वरूपानंद जी अखंड ज्ञान आश्रम एवं सुभापुरा के स्वामी शिवानंदजी बगो में विराजमान थे। इनके पीछे पूज्य गुरुदेव श्री उत्तम स्वामी जी में वगमों में शोभायात्रा में साथ चल रहे थे। साथ ही परम पूज्य पंडित रामचन्द्र जी डोंगरे महाराज की प्रतिमा जिसको भक्तगण चंवर ढुलाने हुए चल रहे थे। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट चांस बाजार, गुजराती दर्जी समाज चौमधुीपुरा, उत्तम ज्वैलर्स, जे.के. ज्वैलर्स, आदर्श व्यायाम शाला, चांदनी चौक युवा मंच, सरिंग एसोसिएशन, हनुमान भक्त मंडल, मदन सोनो मित्र मंडल, जगदीश पहलवान मित्र मंडल, पोखवाल समाज रणछेड़इय मंदिर अखिल भारतीय रामायण मेला समिति, राजपुत समाज गढ़कैलाश सेवा समिति, संजय चौधरी मित्र मंडल



आदि द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा के कथास्थल पर पहुंचने पर पूज्य गुरुदेव श्री उत्तम स्वामी जी का महाराज के सानिध्य में मुख्य यजमान श्रीमती हीरादेवी ओमप्रकाश सोनी द्वारा पोथी पूजन किया गया। आज कथा के प्रथम दिन पूज्य गुरुदेव ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए भक्तिमान एवं भागवत कथा की महिमा का वर्णन

किया। श्रीमद् भागवत कथा को पुण्य परमात्मा की कृपा का परिणाम है। प्रेम का प्राकट्य नहीं करने के कारण पाप है उस पाप का नाश भागवत कथा है। परमात्मा का नाम आनंद है, परमात्मा का स्मरण करने वाला कभी दुखी नहीं हो सकता। दर्शनीय भाव जिसके पास है वह परमात्मा के निकट है। जिसका स्मरण करने मात्र से सभी दुखों का नाश होता है वहीं नारायण है। ईश्वर

की भक्ति प्राप्त करने के लिए भागवत कथा का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ। नारायण की प्राप्ति का उन्म उपाय श्रीमद् भागवत कथा है। इसका पठन पाठन ही वैकुंठ का फल है। आपने कहा कि ज्ञान भक्ति आपके हृदय में ही है और यही भक्ति है। नारायण की प्रतिष्ठ मंदिर से पहले आपके हृदय में है और उसकी प्रतिष्ठ है तो आपकी प्रतिष्ठ है। आपने कहा

विवाह के 19 वर्ष बाद गूंजी खुशियों की किलकारी

जिला चिकित्सालय में उपचार से मिला मातृत्व सुख

रतलाम।

कहा जाता है कि मातृत्व का सुख जीवन के सबसे बड़े सुखों में से एक है। सिविल सर्जन डॉ. एम.एस. सागर ने बताया कि जिला चिकित्सालय रतलाम में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर प्रदायगी के चलते नि संतान दंपति को संतान सुख प्राप्त हुआ है।



होने के कारण कई जगह इलाज भी कराया किंतु उन्हें मातृत्व सुख नहीं मिला। अनन्त उन्हेने आईवीएफ का सहारा लिया। आईवीएफ में अधिक खर्च हो जाने के कारण वे आर्थिक रूप से भी परेशान थे। फिर उनकी मुलाकात जिला चिकित्सालय में डॉक्टर सोनल ओहरी से हुई।

डॉक्टर ओहरी ने सिविल सर्जन डॉक्टर सागर के मार्गदर्शन में मातृ एवं शिशु इकाई में उच्च गुणवत्तापूर्ण मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं एवं निःशुल्क उपचार के बारे में बताया। डॉ. सोनल ओहरी के देखरेख में महिला का उपचार हुआ। गर्भधारण के पश्चात पूरे समय उनके स्वास्थ्य

देखभाल एवं निगरानी की गई। प्रसव का समय नजदीक आने पर उच्च जोखिम का केस होने से निश्चेतना विशेषज्ञ डॉक्टर चेतन पाटीदार से विचार विमर्श कर 19 अप्रैल को सीजेरियन ऑपरेशन द्वारा महिला का प्रसव कराया गया जिसमें उनको लड़का हुआ जिसका वजन 2.8 किलोग्राम था व ऑपरेशन निश्चेतना विशेषज्ञ, ओटी एवं लेबर रूम की नर्स टीम की मदद से सफल रहा। महिला को प्रसव पश्चात मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य चिकित्सा इकाई की डॉई इंडिपेंडी यूनिट में 5 दिवस तक नर्सिंग देखभाल में रखा गया। प्रसूत एवं नवजात पूर्णतः स्वस्थ है। उक्त दंपति द्वारा अत्यंत प्रशंसा एवं आभार व्यक्त किया गया एवं शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रधानमंत्रीजी एवं मुख्यमंत्रीजी को धन्यवाद दिया।



रतलाम। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में रतलाम कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष हेमदु खान शेरांनी व पूरी तलाम कांग्रेस अल्पसंख्यक की टीम के दुथरा आतंकवाद का पुतला कोर्ट चौराहे पर दहन किया गया। पुतला दहन के पूर्व अंबेडकर सर्किल पर कांग्रेस जनों ने इकट्ठे होकर पाकिस्तान मुर्तबाद आतंकवाद मुर्तबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष महेन्द्र कटारिया, नेता प्रतिपक्ष शालिला वर्मा, उपनेता प्रतिपक्ष कमरु कछवाय, कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री वार्मनी शेरांनी, पूर्व विधायक पारस दाव, कार्यवाहक अध्यक्ष फैयाज मंसूरी, शैलेन्द्र सिंह अठना, युथ कांग्रेस अध्यक्ष सैयद वसुत जैदी, पूर्व पार्षद राजीव रावत, ब्लॉक अध्यक्ष बसन्त पंड्या, शोहेल काजी, पूर्व पार्षद इक्का बेल्तु, पार्षद सुलीम बागवान, जानी भाई, सूजीत उपाध्यक्ष, शाकिर भाई, डॉक्टर मुसुफ, सलीम म्हावर, उपाध्यक्ष इकरार चौधरी, शशाक पटन, सुलताना बाजी, हिना शेख, अकस फारुकी, मजाबुद्दिन वकील साहब, अब्दुल शेरांनी, मजहर शेरांनी, इमरान शेरांनी, इस्मार्दुल शेरांनी, अकस शेरांनी, शाहिद प्रेम, पहलवान निसार शेरांनी, अनीस मौलाना, आगन शेरांनी, इब्राहिम शेरांनी, मुकीम शेरांनी, विजय पंड्या, फैयाज अंसारी इशाक मास्टर साहब एडविन टोन नायडू, व सभी कांग्रेसजनों ने मिलकर जिला पंचायत के सामने आतंकवाद का पुतला दहन किया इसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आशीर्वाद के बहाने साधुओं ने चांदी की चेन गायब की

दो दिन बाद वापस पहुंचने पर ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

रतलाम।

जिले के पिपलीदा थाना क्षेत्र के गांव धतुरिया में दो साधुओं ने एक किसान को आशीर्वाद देने के बहाने उसकी चांदी की चेन गायब कर दी। दो दिन बाद जब दोनों साधु फिर गांव में दिखे तो ग्रामीणों की मदद से उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।



का समाधान करने का आश्वासन दिया और आशीर्वाद देने की बात कही। इस दौरान एक साधु ने किसान के गले में पहनी चांदी की चेन मांगी और उसे एक पुडिया में रखकर भपूत लगाकर वापस कर दी। साधुओं ने किसान को घर जाकर पुडिया खोलने को कहा।

देबारा आने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

जब किसान ने घर पहुंचकर पुडिया खोली तो उसमें केवल भपूत थी, चेन गायब थी। बुधवार को दोनों साधु फिर उसी क्षेत्र में दिखे। किसान ने उनसे चेन के

बारे में पूछा तो साधुओं ने कहा कि चेन अब नहीं मिलेगी। इस पर किसान ने अपने पिता बाबुलाल और अन्य ग्रामियों को बुला लिया। ग्रामीणों ने दोनों साधुओं को पकड़कर पुलिस को सूचना दी।

सुखेड़ा चौकी प्रभारी पंकज राजपुत ने बताया कि दोनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। एक को पहचान गणेशनाथ पुत्र ताननाथ निवासी मोयणा राजसमंद के रूप में हुई है, जबकि दूसरा रामनाथ पुत्र भारतनाथ निवासी कोट भीलवाड़ा का रहने वाला है। दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(2) में केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्री पीपा क्षत्रिय समाज का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया

रतलाम।

श्री पीपा क्षत्रिय समाज का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह सैलाना रोड स्थित देहाल वाटिका में आयोजित किया गया।

स्नेह मिलन समारोह में मंदस्तीर से पधारे मुख्य अतिथि डॉ रमेश कनेसरिया गुरुदेव संत श्री पीपाजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर स्नेह मिलन समारोह का शुभारंभ किया। देवास निवासी दिनेश परिहार और अरणा

परिहार भोजन प्रसादी के लाभार्थी थे। इंदौर से पधारे अतिथियों का स्वागत रतलाम समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा किया गया। इंदौर समाज अध्यक्ष आशीष गोयल एवं

पदाधिकारी, प्रदीप राठौड़, दीपक परिहार, हितेश परिहार, विशाल पंवार, जितेंद्र पंवार, अनिल गोयल पधारे मुख्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के मनोज सोलंकी,

प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

महिलाओं, और युगल खेल से की गई। खेल में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उसके उपरंत 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों निशा चिमनसिंह, श्रीमती दगु, राधा बाई



प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

महिलाओं, और युगल खेल से की गई। खेल में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उसके उपरंत 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों निशा चिमनसिंह, श्रीमती दगु, राधा बाई

प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

महिलाओं, और युगल खेल से की गई। खेल में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उसके उपरंत 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों निशा चिमनसिंह, श्रीमती दगु, राधा बाई

प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

महिलाओं, और युगल खेल से की गई। खेल में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। उसके उपरंत 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों निशा चिमनसिंह, श्रीमती दगु, राधा बाई

प्रदीप पप्पू पंवार, सुरेंद्र चौहान, विक्रम सिंह , कमलेश जी, दलपत, नंदलाल, प्रदीप गोयल, भवानी सिंह राठौर, किसान पंवार आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत वच्चो,

रहरहे इंदौर और गुजरात पर जमीन से जुड़ाव नहीं भूले

**मस्के के साथ इंदौर में
निकली बारात तो गुजरात
में छाया घोड़ा नाच**

डही। क्षेत्र के आदिवासी समाज के कई लोग देश के विभिन्न शहरों और महानगरों में सरकारी नौकरियां कर रहे हैं। वे वहाँ से अपने मूल गांव से दूर होते हुए शहरी सभ्यता में रच बस गए हैं। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपनी मूल संस्कृति और परंपरा को नहीं छोड़ा है। क्षेत्र में आदिवासी समाज में होने वाली शादियों में कई ऐसी रिश्तेदार परंपराएं हैं, जो इस समाज को सर्वोत्तम स्थान प्रदान करती हैं। इस समाज की शादियों में कई ऐसी रस्म हैं, जिनमें सहयोग की अटूट भावना देखी जा सकती है। लेकिन बात करें महानगर इंदौर में रहने वाले आदिवासी समाज के लोगों की तो वे भी इससे अछूते नहीं हैं। वर्तमान में इंदौर में रहने वाले शिक्षक कमलाल अलावा जो कि मूलतः पड़ियाल के निवासी हैं। उनके पुत्र का विवाह शनिवार और रविवार को संपन्न हुआ। खास बात यह रही कि उनके यहां हुए शादी के इस आयोजन में आदिवासी परंपराओं का



बोलबाला दिखा। वहीं गुजरात में उच्च शिक्षित आदिवासी समाज के यहां हुई शादी में घोड़ा नाच की धूम रही।

इंदौर में पड़ियाल से गए रिश्तेदार मस्का लेकर और उसमें उपहार रखकर मांगलिक गीत गाते हुए दुल्हे के घर तक पहुंची। यहां आदिवासी महिलाओं ने शादी ब्याह के गीत ढोलक पर बजाते हुए गाए। इस सब में ऐसा लगा ही नहीं कि शादी डही क्षेत्र में हो रही है या इंदौर महानगर में। पड़ियाल से गए लोकेश अलावा ने बताया कि इंदौर में रमेश अलावा के पुत्र की शादी में

सभी परंपराएं आदिवासी रीति रिवाज से पूर्ण की गई। साथ ही गीत संगीत हो या अन्य कोई रस्म सभी में समाज की परंपराओं का बोलबाला रहा। उन्होंने बताया कि हमारे गांव की महिलाएं आदिवासी सभ्यता और प्रेम का प्रतीक मस्का सिर पर उठाए और उसमें दुल्हा-दुल्हन के लिए उपहार लेकर पहुंची साथ ही बारात में भी सिर पर मस्का उठाए मांगलिक गीत गाते हुए चली। इससे यह नजारा इंदौर में भी देखते ही बना। दुल्हा बने गजेन्द्र अलावा ने बताया कि उनका जब बाना इंदौर में निकला तो उनकी रिश्तेदार

महिलाएं और युवतियां सिर पर मस्का उठाए बारात में पैदल चली। जैसा कि डही क्षेत्र की शादियों में होता है। दूसरी ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डही में पदस्थ बीपीएम अर्चना जमरा जो कि आदिवासी समाज से हैं। वे अपने रिश्तेदार में दुल्हन की शादी में शनिवार को गुजरात पहुंची। तो गुजरात में भी डही क्षेत्र की परंपरा देखने को मिली। गुजरात के इस परिवार ने भी अपनी माटी की परंपरा का निर्वाह किया। यहां भी दुल्हन को कांथों पर उठाकर जमकर घोड़ा नाच कराया गया। जैसे कि यह परंपरा क्षेत्र में होती है। यहां भी बोहलनी और मस्कों की धूम रही। इसके अलावा इस समाज के कई ऐसे लोग भी हैं जो वहाँ से बाहर बड़े शहरों में नौकरी कर रहे हैं। लेकिन जब इनके विवाह का समय आया तो उन्होंने अपने मूल गांवों में आकर शादियां की। इनमें टीआई प्रियंका अलावा हो या डॉ. सुरेन्द्रपाल अलावा हो या डॉ. दिग्विजय सिंह अलावा हो। इत्यादि ऐसे कई अधिकारियों ने गांवों में आकर शादियां की। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि आदिवासी समाज के लोग चाहे शहरों में शादी करे या गांवों में आकर वे अपनी जमीन और अपनी सभ्यता को नहीं भूलते हैं।

एक माह पूर्व महाकालपुरा में हुई डकैती के आरोपी गिरफ्तार



10 लाख रुपए का मश्रुका जल बाग। धार पुलिस को थाना बाग क्षेत्रान्तर्गत 01 महिने पूर्व ग्राम महाकालपुरा हुई डकैती के आरोपियों को गिरफ्तार करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता। धार पुलिस को क्या डकैती में शामिल 04 आरोपियों को किया गिरफ्तार। धार पुलिस को थाना बाग के ग्राम महाकालपुरा में डकैती के दौरान लूटे गये चाँदी के गहने, 25,000/- रुपये नगदी व एक तुफान गाड़ी कुल मश्रुका 10 लाख रुपये के जप्त करने में मिली महत्वपूर्ण सफलता।

डकैती करने वाले अधिकांश आरोपी हैं बोरखारा ग्राम के कुख्यात डकैत। फरियादी का रिश्तेदार ही निकला डकैती करवाने वाला आरोपी। घर का भेदी लंका ढाए कहावत हुए सिद्ध फरियादी के परिवार का ही निकला अपने परिवार वाले के घर पर डकैती करने वाला। पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह द्वारा थाना बाग क्षेत्रान्तर्गत ग्राम महाकालपुरा में फरियादी रमेश के घर पर हुई डकैती की घटना को गंभीरता से हुए स्वयं घटना स्थल पहुँचकर घटना स्थल के आस-पास के लोगो, व फरियादी से स्वयं प्रत्यक्ष रूप से बातचीत की। साथ ही सूत्रसान रोड पर राहगीरो के साथ मार्पीट कर लूट, डकैती करने वाले गिरोह को चिन्हित कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार गीतेश कुमार गर्ग के निर्देशन में एस. डी. ओ. पी. कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान व सायबर शाखा प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल को उचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कुक्षी सुनील गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बाग निरीक्षक कैलाश चौहान द्वारा विवेचना के दौरान अज्ञात आरोपियों की तलाश के दौरान मुखबीर सूचना पर से आरोपी सोहन पिता भदु बामनीया जाति भील उम्र 32 साल निवासी ग्राम बोरखारा को गिरफ्तार किया जिसे पुछताछ करते घटना दिनांक के शंकर चमार तथा राजु पिता केसरसिंह सिसोदिया निवासी महाकालपुरा के बताये घर ग्राम महाकालपुरा में अपने अन्य साथी भडकसिंह पिता राजु, जुगन पिता भुवानसिंह डावर जाति भील निवासी ग्राम बड़वी, भुवान पिता बालकिया मेहडा, रमेश

पिता वेस्ता बामनीया, दिनिया उर्फ धिनिया पिता कमरू भूरिया, कालिया पिता मालसिंह मेहडा, कालिया पिता भुरू बामनीया, सुमल पिता भंगडा भूरिया, संतोष पिता सेकडा भूरिया, भिकिया पिता नरसिंह डावर निवासीगण ग्राम बोरखारा एवं सरदार पिता नुरसिंह मण्डलोई निवासी ग्राम पिपल्दा की तुफान गाडी को लेकर रात करीबन 11-12 बजे महाकालपुरा में स्थित एक मकान में डकैती (धाडा) डालने के लिये आये थे आरोपीयो को जिस घर में डकैती (धाडा) डालना था वह मकान राजु पिता केसरसिंह सिसोदिया निवासी महाकालपुरा और शंकर चमार ने बताया था। लोग घर के अन्दर गये और घर में सोये एक व्यक्ति को पकड़ लिया और उसे थपड़ मुक्को से मारपीट करना वहाँ सोई दो औरते बीच बचाव करने आईं तो उनके साथ भी मारपीट कर फालिये से दिवार में लगी एलसीडी में तोड़ फोड़ कर दुसरे कमरे लडके के गले में फालिया अड कर सोये को पेटी में रखे सोने चाँदी के गहने व नगदी रुपये तथा मकान के साईड वाले कमरे में बाहर बाधी तीन बकरा बकरी को लेकर भाग जाना तथा तीनो बकरा बकरीयो को मारकर खा जाना नगदी रुपये व सोने चाँदी के गहने आपस में बाट लेना और शंकर चमार और राजु पिता केसरसिंह सिसोदिय को पद्रह पंद्रह हजार रुपये देना स्वीकार किया तथा मेरे दो साथी डही डकैती करने गये थे वहाँ पर पुलिस ने उनको पकडना बताया, आरोपी भडकसिंह, पप्पु उर्फ कुष्णा जुगन के जिला जेल अलिराजपुरा में निरुद्ध होने से माननीय न्यायालय कुक्षी से अनुमति प्राप्त कर पुलिस अभिरक्षा में लेकर आरोपीयो से लूट डकैती में लूटे गये चाँदी के गहने, 25,000/-रुपये नगदी व एक तुफान गाडी कुल मश्रुका 10 लाख रुपये की जप्त की गई। गिरफ्तार आरोपीयो को माननीय न्यायालय कुक्षी पेश किया जायेगा।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम- भडकसिंह पिता राजु हटीला जाति भील उम्र 30 साल निवासी बोरखारा थाना गंधवानी, जुगन पिता भुवानसिंह डावर जाति भील उम्र 26 साल निवासी ग्राम बड़वी थाना टाण्डा, सोहन पिता भदु बामनीया जाति भील उम्र 32 साल निवासी ग्राम बोरखारा बयडीपुरा थाना

गंधवानी, पप्पु उर्फ कुष्णा पिता माँगीलाल उम्र 32 साल निवासी टाण्डा, राजु पिता केसरसिंह सिसोदिया जाति बलाई उम्र 32 साल निवासी महाकालपुरा

फरार आरोपियों के नाम- रमेश पिता वेस्ता बामनीया निवासी बोरखारा, कालिया पिता मालसिंह मेहडा निवासी बोरखारा, दिनिया उर्फ धिनिया पिता कमरू भूरिया निवासी बोरखारा, भिकिया पिता नरसिंह डावर निवासीगण ग्राम बोरखारा, भुवान पिता बालकिया मेहडा, निवासी बोर डावरा, कालिया पिता भुरू बामनीया, बोरखारा, सुमल पिता भंगडा भूरिया निवासी बोरखारा, संतोष पिता सेकडा भूरिया निवासी बोरखारा, सरदार पिता नुरसिंह मण्डलोई निवासी ग्राम पिपल्दा, शंकर पिता नामालूम निवासी कोटा।

जप्त मश्रुका- चाँदी के जेवरगत व 25,000/- रुपए नगदी, एक तुफान गाडी, कुल मश्रुका कीमती 10,00,000/- रुपए। पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह द्वारा चोरी, लूट, डकैती करने वाले आरोपियों को सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि उनके द्वारा अपराधों से दूरी नहीं बनाई गई तो उनके विरुद्ध सख्त से सख्त उचित वैधानिक कार्यवाहियों की जावेगी।

सराहनीय कार्य- उक्त कार्यवाही में निरीक्षक कैलाश चौहान, उनि दिलीप खाण्डे, सजिन,कमलेश राठौड़िया, प्र. आर 830 भावसिंह रावत, प्र. आर. 53 लोकेश शुक्ला, प्र.आर.932 सखाराम गोखले, प्र. आर. 588 कैलाश गेहलोत, प्र. आर. 545 रेलमसिंह भिन्दे,प्र.आर.06 गजेन्द्र, प्र. आर. 544 कमलेश चौहान, आर. 891 शहदर चौगड, आर.1145 राजु, आर.528 सीताराम, आर. 567 लालसिंह, आर.199 दुर्गेश, आर.441 कैलाश, आर. 1076 भुपेन्द्र, आर. 117 विक्रम, आर. 389 गजरात, आर. 81 राहुल, आर.405 मुकेश, तथा सायबर सेल की टीम प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल, सजिन रामसिंह गौड़, प्र.आर. विजय भाटी, आर. भानु, आर. प्रशांत, आर. सर्वेश का विशेष योगदान रहा।



धार के साहित्यकारों का सम्मान

धार। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस दिनांक 23 अप्रैल 2025 को इंदौर संभाग पुस्तकालय संघ इंदौर द्वारा, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक विनायक प्रकाशन इंदौर के द्वारा 38 साहित्यकारों की पुस्तकों का प्रकाशन किया, साहित्यकारों का सम्मान किया गया। जिसमें धार के साहित्यकार राधाकुष्ण बावनिया शीतल की प्रकाशित चार पुस्तकों, अपनों का

दर्द, हल एक प्रश्न का, एक दीप प्यार का एवं बरसती बूंदन की बातें तथा नंदकिशोर उपाध्याय प्रबोधक की पुस्तक अंतस की पाती के प्रकाशन पर इन्दौर संभाग पुस्तकालय संघ इंदौर द्वारा स्थान श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति सभागृह इंदौर पर कृति कुसुम सम्मान से रचनाकारों को सम्मानित किया गया। यह जानकारी नंदकिशोर उपाध्याय प्रबोधक द्वारा दी गई।



सी.एम.राईज बाग में जल संवर्धन एवं संरक्षण हेतु रैली का आयोजन

बाग। शासन के निर्देशानुसार सी.एम.राईज विद्यालय बाग में समर कैप के साथ ही जल पखवाड़े का आयोजन भी हो रहा है। इसके तहत आज विद्यालय में बच्चों ने रैली निकालकर जल संवर्धन का संदेश दिया। रैली के पूर्व प्राचार्य डी.एस.बघेल ने बच्चों को जल का महत्व बताते हुए कहा कि जल ही हमारा जीवन है।जल को बचाना हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए,तभी मानव जाति सुरक्षित रह सकती है। उद्बोधन के पश्चात विद्यार्थियों ने -जल है तो कल है तथा जल बचाओ

जीवन बचाओ के नारे लगाते हुए रैली में भाग लिया। इस जल संवर्धन रैली में माडल प्राचार्य उमेश लच्छेटा,दिनेश अजनारे, राजेन्द्र सिंह झाला, प्रतिभा उपाध्याय, श्री मति प्रतिभा उपाध्याय,श्री मति राधा शर्मा, मनीषा राठी,नीतू यादव, प्रताप सिंह सोलंकी के साथ ही ममता बघेल,रिनू रावत, मीना मुजाल्दा,विद्या पंवार,आरती राठौड़,समर सिंह चौहान, भाव सिंह मुजाल्दा,सुमित्रा सोलंकी, वंदना नायक,मनीष राठौर एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पेड़ों पर टांगने के लिए सकोरे लाए



धार। 60+लालबाग ग्रुप ने पक्षियों का रखा ध्यान, पेड़ों पर,टांगने के लिए सकोरे लाए,हर सुबह इनमें दाने भरेगे ताकि पक्षी चूग कर अपनी भूख से राहत पाएं।पानी की तलाई पास है,प्यास तो बुझ जाएगी,गर्मी में दाने की समस्या का निदान वरिष्ठों ने किया, है अनुभवी सुजान,धुमने आने वाले करें अनुसरण,हर वृक्ष पर हो टंगा एक सकोरा,पानी से अन्नसेभार,चहेकणा उवन घर आंगन देया। यह जानकारी नंदकिशोर उपाध्याय प्रबोधक ने दी।

RCB की होमग्राउंड पर पहली जीत:राजस्थान को 11 रन से हराया

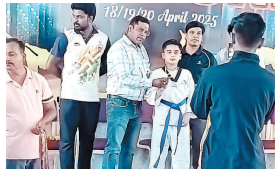
बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने होमग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम में सीजन का पहला मैच जीत लिया। टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हरा दिया। जोश हेजलवुड ने 19वें ओवर में 1 ही रन खर्च किया, उन्होंने इस ओवर में 2 विकेट लेकर मैच पलट दिया। हेजलवुड ने मैच में 4 विकेट लिए। शुक्रवार को बेंगलुरु में ऋणे ढॉस जीतकर बॉलिंग चुनी।

RCB ने 5 विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 9 विकेट खोकर 194 रन ही बना सकी। यशस्वी जायसवाल ने 49 और ध्रुव जुरेल ने 47 रन बनाए। संदीप शर्मा को

हेजलवुड ने 19वें ओवर में 2 विकेट लेकर पलटा मैच



पांचवां विकेट गंवाया। ओवर की तीसरी बॉल जोश हेजलवुड ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। शिमरोन हेटमायर पुल करने गए, लेकिन कंट बिहाइंड हो गए। उन्होंने 8 गेंद पर 11 रन बनाए। राजस्थान ने 14वें ओवर में चौथा विकेट गंवाया। ओवर की तीसरी बॉल कृणाल पंड्या ने लेग स्टंप पर शॉर्ट पिच फेंकी। नीतीश राणा स्वीप करने गए, लेकिन शॉर्ट फाइन लेग पर धुनेरसेवर कुमार के हाथों कैच हो गए। नीतीश ने 22 गेंद पर 28 रन बनाए। 10वें ओवर में राजस्थान ने तीसरा विकेट गंवाया। ओवर की पहली बॉल कृणाल पंड्या ने गुड लेंथ गेंद के नीचे आए और आसानी से कैच पकड़ लिया। पराग ने 10 गेंद पर 22 रन बनाए। यह कृणाल पंड्या का इस सीजन बेंगलुरु में पहला ही विकेट है।



समाग स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में धार जिला तृतीय

इंदौर। चौथी संभाग स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिया 2025, 18 से 20 अप्रैल 25 तक अण्युदय यूनिवर्सिटी खरगोन में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, कैडेट, जूनियर,एवं सौनियर खिलाड़ियों के मध्य प्रतियोगिता हुई, जिसमें इंदौर जिला प्रथम, खंडवा द्वितीय एवं धार तृतीय पर रहा। स्वर्ण पदक विजेता कर्तव्य ठाकुर विवान, देवाश, भूमिका चौहान, लक्ष्य ओम सौम्य भटनौरिया,भावना यादव,रजत पदक विजेता पुनिश शुक्ला,मितेरा,सार्थक वागर आनंद, पादुप,एस्पा, राजवीर बंदोरा आदिसि, मनीषा कांस्य पदक विजेता मोहल शर्मा, अभिनंदन,सामिथ्य परमार, भाव्यश,आराध शर्मा,तनिक ,कृणाल, निखिल जुबिया, यश, यह जानकारी कोच गगनसिंह राजपूत ने दी। धार ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रवीण तोमर एवं पालकों ने बच्चों को बधाईयां दी।

ऑल इंडिया राष्ट्रीय कराते स्पर्धा के लिए रतलाम के खिलाड़ी चयनित

इंदौर। भारतीय कराते संघ के सानिय्य में एवं उतराखंड कराते एसोसिएशन के तत्वाधान में त्रैक्षिकेश में दिनांक 27 अप्रैल को इंडियन मिलिट्री अकादमी के कोच राजेंद्र गुप्ता द्वारा आयोजित होने वाले 13वें आल इंडिया राष्ट्रीय कराते स्पर्धा के लिए रतलाम जिले के विभिन्न स्कूल से कराते खिलाड़ियों का चयन एलेट स्पॉर्ट्स द्वारा ट्रेडेशनल शोटोकान मध्यप्रदेश संघ टीम में किया गया है । ये सभी खिलाड़ी मध्यप्रदेश को गौरावित करने हेतु स्पर्धा में उतरेगे । चर्यानित खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है। रतलाम से चयन भाटी , माही बाली, आर्यन बाली, अभिषेक चौहान , लकी पारगेवे, हर्षिता बाली एवं इंदौर से शौर्य चावड़ा ,रुम गांधी , साक्षी लोधी, रंजित खल्टे एवं भोपाल से माही धर्मेद धारू अंशुन राठौर शामिल है । टीम के मुख्या कोच फिफथ डान ब्लैक केरल अमय लक्खरी होंगे एवं मैनेजर कमल बाली होंगे ।

स्व. सतीशचन्द्र गोठी मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट स्पर्धा

इंदौर। आईडीसीए के तत्वाधान में श्रीराम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित स्व. सतीश चन्द्र गोठी स्मृति अंडर-13 क्रिकेट स्पर्धा के अंतर्गत आज एमवायसीसी एवं जय गिराना क्लब के मध्य मैच खेला गया जिसमें जय गिराना क्लब ने पहले खेलते हुए 47 ओवरों में सभी विकेट खोकर 181 रन बनाये । अनुराह काले ने सर्वाधिक 27 रनों का योगदान दिया । नय्य व्यास ने 3 विकेट तथा अर्पित यादव, अंश लोधी व अजुज निगद ने 2-2 विकेट लिये । जवाब में एमवायसीसी की टीम ने 34 ओवरों में 3 विकेट खोकर 182 रन बना लिये और यह मैच 7 विकेट से आसानी से जीत लिया ।

बेहजाद निभाएंगे सलाबत खान की भूमिका



शो तेनाली रामा में अभिनेता बेहजाद खान शो में एक महत्वपूर्ण विरोधी सलाबत खान की भूमिका में शामिल हो गए हैं। सलाबत खान, बहमनी सल्तनत का एक चतुर और रणनीतिक योद्धा है, जो केवल एक आम दुश्मन नहीं बल्कि एक मिशन पर निरन्तर हुआ व्यक्ति हैं – फिर जय नगर साम्राज्य को गिराने की साजिशों से लेनासलाबत खान की सोची-समझी चालें और सल्तनत के प्रति उसकी अटूट निष्ठा उसे एक खतरनाक दुश्मन के तौर पर पेश करती हैं। उसका आगमन तेनाली के लिए एक शक्तिशाली और बुद्धिमत्त दुश्मन को चुनौती बनता है, जिससे यह बुद्धि, रणनीति और संकल्प की परीक्षा बन जाता है।



नील पुलिस अफसर की भूमिका में

अभिनेता नील समथ अपने फैसल को इन दिनों इंस्टाग्राम पर अपने अफर्कमिंग प्रोजेक्ट्स की झलकियां दिखाकर उल्लासित कर रहे हैं। खबरों की माने तो नील जल्द ही वेब सीरीज रोज गाडी में नजर आएंगे। उन्होंने शूटिंग की कुछ झलकियां भी इंस्टाग्राम पर शेयर की है।हाल ही में उन्होंने एक रील पोस्ट की, जिसमें कुछ सीन की झलक दिखाई गई और कैप्शन दिया, =एनइड्रट्टु स्पथट्टु= हालांकि इस सीरीज के बारे में अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इंस्टाग्राम पर डाले गए वीडियोज से

कम्प्यूटर इन्जीनियरिंग विभाग को (पु. एवं म.) दोनों वर्ग में ओवर ऑल चैम्पियन का खिताब

एसजीएसआईटीएस की वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का पुरस्कार वितरण

इंदौर। एस.जी.एस.आई.टी.एस. इन्दौर के एकलव्य खेल स्पर्धा मंच एवं एसजीएसआईटीएस छात्र संघ के तत्वाधान में “वार्षिक खेलकूद स्पर्धा वर्षस 2024-25” के अंतर्गत इंटर बांच खेलकूद स्पर्धाओं का पुरस्कार वितरण देवी अहिर्न्या विज्विद्यालय इन्दौर के क्लबगुरु प्रो.राकेश सिंघई के मुख्य आतिथ्य एवं शूटिंग खेल में अर्जुन एवं विक्रम अवाडी श्रीमती राजकुमारी राठौर के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो.नितेश पुरोहित ने की। इस अवसर प्रभारी प्राध्यापक स्टूडेंट अफेयर्स प्रो.आर.सी.गुर्जर एवं स्पर्धा संयोजक डॉ.मनीष जायसवाल भी मंच पर उपस्थित थे। “वार्षिक खेलकूद स्पर्धा वर्षस में पुरुष एवं महिला वर्ग में क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, पिट्टू, लॉन टेनिस, शतरंज खेल का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में संस्थान की 11 ब्रांच में हिस्सा लिया। प्रत्येक खेल में विजेता ब्रांच को 50 व्हाइट तथा उपविजेता ब्रांच को 30 व्हाइट प्रदान किये गए। सम्पूर्ण स्पर्धा में सर्वाधिक अर्जित करने वाली टीम के परिणाम इस प्रकार रहे- (1) कम्प्यूटर



इन्जी. विभाग (पु. एवं म.) : 340 व्हाइट (ओवर ऑल चैम्पियन प्रथम), (2) सविल इन्जी. विभाग (पु. एवं म.) : 310 व्हाइट (ओवर ऑल चैम्पियन द्वितीय), (3) इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इन्जी. विभाग (पु. एवं म.) : 240 व्हाइट (ओवर ऑल चैम्पियन तृतीय) उक्त स्पर्धा के प्रत्येक खेल में पुरुष एवं महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। ओवर ऑल वार्षिक प्रदर्शन के आधार पर संस्थान के वर्ग के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार विष्णु जायसवाल (सविल इन्जी. विभाग) तथा वर्ग के सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार अनुका जरिया (बायोगेडीकल इन्जी. विभाग) ने अर्जित किया। सत्र 2024-25

गया। राष्ट्रीय स्तर के एनसीसी कैम्प में चर्यानित होने वाले संस्थान के 10 एनसीसी कैडेट्स को मोगटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। एनसीसी रैंक होल्डर कैडेट्स द्वारा पुरे सत्र में किये उल्लेखनीय सामाजिक कार्य के लिये भी पुरस्कृत किया गया। मुख्य आतिथ्य प्रो.राकेश सिंघई ने अपने उद्बोधन में कहा की आज की इस व्यस्त लाइफ स्टायल में भी प्रत्येक छात्रो को खेलकूद के लिये कुछ समय अवश्य निकालना चाहिये जिससे की अपने आप को शारिरिक एवं मानसिक रूप से फिट

रख सके। उन्होने संस्थान में उपलब्ध खेलकूद सुविधाओं की सराहना की तथा संस्थान द्वारा अर्जित वार्षिक खेल उपलब्धियों की मुक्त कंठ से सराहना की। विशेष अतिथि शूटिंग खेल में अर्जुन अवाडी श्रीमती राजकुमारी राठौर ने छात्रो को ह्रियतय दी की आज के समय में बहुत से छात्र मोबाइल का अनावश्यक अल्यधिक उपयोग कर अपना समय बर्बाद कर रहे है और यही मुख्य कारण है कि आज मैदान पर खिलाड़ियों के खेलने की संख्या कम हाती जा रही है।

आरसीबी अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची				
टीम	मैच	अंक	नेट	रन रेट
1- गुजरात टाइटन्स	8	12	1.104	
2- दिल्ली कैपिटल्स	8	12	0.657	
3- आरसीबी	9	12	0.482	
4- मुंबई इंडियंस	9	10	0.673	
5- पंजाब किंग्स	8	10	0.177	
6- लखनऊ सुपर जॉयंट्स	9	10	-0.054	
7- कोलकाता नाइट राइडर्स	8	6	0.212	
8- राजस्थान रॉयल्स	9	4	-0.625	
9- सनराइजर्स हैदराबाद	8	4	-1.361	
10- चेन्नई सुपर किंग्स	8	4	-1.392	

स्नेहा ने सफाई अभियान में लिया हिस्सा



टीवी अभिनेत्री स्नेहा जैन, जिन्हें हाल ही में मेधा बरसेगे में मुकताब और साथ निभाना साथिया 2 में गैहना के रूप में देखा गया था, ने हाल ही में जुहू बीच पर एक सफाई अभियान में भाग लिया। स्नेहा का कहना है कि पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को लेकर वह हमेशा से गंभीर रही हैं और प्रकृति मां के लिए कुछ अच्छा करना चाहती है।वह कहती है, मुख्य कारण यह था कि मैंने समझा कि प्रकृति की रक्षा करना केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि हमारी मानवता का हिस्सा है। हम प्रकृति का हिस्सा हैं, और उसका संतुलन बनाए रखना हमारी जिम्मेवारी है। अगर हम प्रकृति से कुछ लेते रहे हैं, तो हमें भी कुछ वापस देना चाहिए। यह एक दो-तरफा लेन-देन है।

लाफ्टर शेफ हरपाल ने कर्नॉट प्लेस में खोला कारीगरी



टीवी शो लाफ्टर शेफस में नजर आ रहे मशहूर शेफ हरपाल सिंह सोखी ने राजधानी दिल्ली के दिल-कर्नॉट प्लेस-में अपने लोकप्रिय रेस्टोरेंट कारीगरी का 11वां आउटलेट लॉन्च कर दिया है। नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में पहले से ही सफलतापूर्वक चल रहे कारीगरी आउटलेट्स के बाद कर्नॉट प्लेस का यह नया आउटलेट शेफ सोखी की कामयाबी में एक और शानदार अध्याय जोड़ता है।

रेड 2 बनेगी जबरदस्त हिट

जैसे-जैसे रेड 2 को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, प्रसिद्ध ज्योतिषी, अंकरास्त्री और हीलर आशुतोष कलेश्वायंट ने इस फिल्म के लिए एक बेहद सांख्यिक और रोमांचक भविष्यवाणी की है—यह फिल्म एक जबरदस्त ब्लॉकबस्टर साबित हो सकती है, शायद रेड के पहले भाग से भी अधिक तीव्र, सराहनीय और बॉक्स ऑफिस पर सफल।आशुतोष, जो अपनी गहरी अंतर्बुनाबी समझ और आत्मा के स्तर तक स्पष्टदर्शिता के लिए जाने जाते हैं, का मानना ​​है कि रेड 2 अजय देवगन के फिल्मी सफर में एक कर्मिक सिखार बिंदु बन सकती है। उन्होंने कहा, इस फिल्म से बहुत मजबूत कर्मिक फल जुड़ू है। अजय का किरदार शायद एक आइकॉनिक परफॉर्मेंस के रूप में याद खा जाएगा — यह उनके करियर का एक सिनेमैटिक फेज हो सकता है। वह एक ऐसे चरण में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ लीजेंड्स जन्म लेते हैं।



हप्पू राजेश के हनी टैप में फैंस

हप्पू एक आदिवासी आदमी को गिरफ्तार करता है, लेकिन मामला तब मजेदार मोड़ लेता है जब वो आदमी हप्पू और मनोहर को छुड़ाने के लिए देसी शराब ऑफर करता है। नरेश में धुत हप्पू सड़क पर एक औरत को राजेश समझ बैठता है और उसके साथ तुफके लगाने लगता है! यह नज़ार अवधेशिया देख लेती है और फौरन जाकर राजेश को बताती है। पर पहुँचकर राजेश हप्पू से सवाल करती है, लेकिन हप्पू सच्चाई से बचने के लिए अजीब-अजीब कहानियाँ गढ़ता है। धर धाने में कमिस्टर सबको 'हनी टैप' से सावधान रहने की चेतावनी देते हैं। उपर, राजेश हप्पू की परीक्षा लेने के लिए खुद को किसी और के रूप में पेश करती है और उसे होटल में बुलाती है। होटल में हप्पू पूरी तरह रोमांटिक मूड में होता है, ये जाने बिना कि सामने वाली खुद राजेश है। कटोरी अम्मा (हिमानी शिवपुरी) समेत सब लोग हप्पू को हकतों से चौंक जाते हैं, लेकिन राजेश यहीं नहीं रुकती। आगली सुबह वो दोबारा उसे कॉल करती है, और इस बार भी हप्पू नरेश में उसी चाल में फँस जाता है। जब सच्चाई सामने आती है, तो पर में तूफान मच जाता है।

नकली शेरनी की कहानी असली में बदली

अंगूरी विभूति को बताती है कि अम्माजी का मानना ​​है कि सिर्फ शेरनी का दूध ही तिबारी की तबीयत ठीक कर सकता है। अंगूरी ये दूध लाने के



लिए कॉलोनी छोड़ने की तैयारी कर रही होती है। ये सुनकर विभूति परेशान हो जाता है। तब वो झूठ बोल देता है कि उसके पास पहले से ही एक पालतू शेरनी है! जब अनीता शहर से बाहर जाती है, तो विभूति डेविड चाचा को शेरनी का रूप देकर सबके सामने पेश करता है। कॉलोनी के लोग हैरान रह जाते हैं और शेरनी का दूध खरीदने के लिए लाइन लग जाती है। विभूति को अजीबो-गरीब कारोबार जम्मेवर चल पड़ता है। यहाँ तक कि अनीता भी गुस्सा करने के बाद मुनाफे में हिस्सा चाहती है। इसी बीच, हप्पू को फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से कॉल आता है कि एक असली आदमखोर शेर कॉलोनी की तरफ बढ़ रहा है। अब अनीता को पछतावा होता है और वह ये ड्रामा बंद करने को कहती है।

भीमा के करारे जवाब से सब चौंक जायेंगे

घटनाओं के जोरदार मोड़ में, भीमा पहले से कहीं ज्यादा मजबूती से सामने आती है। जब उनके पिता मेवा को सबके सामने अपमानित किया जाता है, तो भीमा फैसला करती है कि अब जवाब देने का समय आ गया है। वह हिम्मत के साथ एक मोर्चा निकालती है और विधावक से न्याय, सम्मान और बाबुरी की मांग करती है। बाबा सहैव आगवेडकर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर, वह निडरता से जातिवाद पर सवाल उठाती है। भीड़ का समर्थन देख विधावक हैरान रह जाता है और मेवा से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगता है। लेकिन भीमा का मिशन यहीं खस नहीं होता। एक सामुदायिक कार्यक्रम में वह खुबकर कैलाशा खुआ और कालिका सिंह की वर्षों की गलतियों को उजागर करती है। स्कूल के एक कार्यक्रम में, खुद बाबा सहैव उसकी हिम्मत की सराहना करते हैं। जब कैलाश खुआ धनिया को सजा देने की कोशिश करती है, तब भीमा बीच में आकर ऐसा करार जवाब देती है कि सब चौंक जाते हैं।

